[A-7] No. of printed pages: 3

SARDAR PATEL UNIVERSITY
TY BA (External) Examination
Saturday 28th February 2015
10.30 am - 1.30 pm
HIN 306 - Hindi Literature VI
प्राचीन एवं मध्यकालीन कविता

कुल गुण : १००

प्र.१ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । (१८)

(अ) ''लोका मति के भोरा रे ।
जो कासी तन तजै कबीरा,
तौ रामहि कहा निहोरा रे ।
तब हम वैसे अब हम ऐसे,
इहै जनम का लाहा रे ।
राम-भगति-परि जाकौ हित चित
ताकौ अचिरज काहा रे ।
गुरु-परसाद साध की संगति,
जन जीते जाई जुलाहा रे ।
कहै कबीर सुनहु रे संतो,
भ्रमि परै जिनि कोई रे ।
जस कासी तस मगहर ऊसर,
हिरदै राम सति होई रे ।''

अथवा

(अ) ''तेरा जन एक आध है कोई ।
काम-क्रोध अरु लोभ विवर्जित, हरिपद, चीन्हैं सोई ।।
राजस-तामस-सातिग तीन्यूँ, ये सब तेरी माया ।
चौथे पद कौं जे जन चीन्हैं, तिनहि परम पद पाया ।।
असतुति-निंदा-आसा छाँड़ै, तजै मान अभिमाना ।
लोहा कंचन समि करि देखैं, ते मूरति भगवाना ।।
च्यंतै तो माघौ च्यंतामणि हरिपद रमै उदासा ।
त्रिसनां अरु अभिमान रहित है कहै कबीर सो दासा ।।''

(ब) ''धरि धीर कहैं 'चलु' देखिय जाइ, जहाँ सजनी रजनी रहिहैं ।
कहिहै जह पोच, न सोच कछू, फल लोचन आपन तौ लहिहैं ।
सुख पाइहैं कान सुनै बतियाँ, कल आपुस में कछु पै कहिहैं ।
'तुलसी' अति प्रेम लगी पुलकैं, पुलकीं लखि राम हिये महि हैं ।।''

अथवा

(ब) ''कुंभकरन्न हन्यो रन राम, दल्यो दसकंधर, कधर तोरे ।
पूषन-बंस-विभूषन-पूषन तेज प्रताप गरे अरि-ओरे ।
देव निसान बजावत गावत, साँवत गो, मन भावत भोरे ।
नाचत वानर भालु सबै 'तुलसी' कहि हारै ! हहा भैया हो रे ।।''

(क) ''चंद चकोर की चाह करै, घनआनंद रचात पपीहा कौं धावै ।
ज्यौं त्रसरैनि के ऐन बसै रबि, मीन पै दीन ह्वै सागर आवै ।।
मोसों तुम्हैं सुनौ जान कृपानिधि, नेह निबाहिबो यौं छबि पावै ।
ज्यौं अपनी रुचि राचि कुबेर सु रंकहि लै निज अंक बसावै ।।''

अथवा

(क) ''मही-दूध सम गनै, हंस-बक-भेद न जानै ।
कोकिल काक न ज्ञान, काँच-मनि एक प्रमानै ।।
चंदन ढाक समान, राँग रुपौ सम तोलै ।
बिन बिबेक गुन-दोष, मूढ़ कवि ब्यौरि न बोलै ।।
प्रेम-नेम, हित-चतुराई, जै न बिचारत नेकु मत ।
सपने हू न बिलैबियै, छिन तिन ढिग आनदघन ।।''

प्र.२ ''कवितावली'' में वर्णित सौंदर्यभाव की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए । (१६)

अथवा

प्र.२ 'कवितावली' काव्य के सात काण्डों में प्रस्तुत कथा का परिचय देकर उद्देश्य बताईये ।

प्र.३ कबीर के पद प्रासंगिक एवं सामाजिक रुढ़ियों के प्रति तीखा व्यंग्य है- समझाइये । (१६)

अथवा

प्र.३ ''कबीर रहस्यवादी एवं मानवतावादी कवि हैं'' - सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र.४ घनानंद कवित्त के भावपक्ष एवं कलापक्ष पर प्रकाश डालिए । (१६)

अथवा

प्र.४ घनानंद काव्य में वर्णित प्रेम व्यंजना को समझाइए ।

प्र.५ टिप्पणी लिखिए । (१६)

(क) अमीर खुसरो **अथवा** (क) मीरा

(ख) जायसी **अथवा** (ख) रसखान

प्र.६ निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में से **१८ का** उत्तर दीजिए । (१८)

१) कबीर किस काल के कवि थे ?

२) कबीर के बीजक के सम्पादक कौन हैं ?

३) कबीर की पत्नी का क्या नाम था ?

४) कबीर के पुत्र एवं पुत्री का नाम बताइए ?

५) कबीर के पालक माता-पिता का नाम क्या है ?

६) कबीर ग्रंथावली के सम्पादक कौन हैं ?

७) कबीर के गुरु का क्या नाम था ?

८) कबीर की भाषा किस प्रकार की है ?

९) गोस्वामी तुलसीदास का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

१०) तुलसीदास के दो प्रमुख ग्रंथों के नाम लिखिए ?

११) कवितावली काव्य के कितने कांड है ?

१२) अयोध्याकांड में कुल मिलाकर कितने छंद हैं ?

१३) बालकांड में कुल कितने छंदों का प्रयोग किया है ?

१४) लंकाकांड की प्रमुख घटना कौन-सी हैं ?

१५) कवितावली के सबसे बृहद कांड का नाम क्या है ?

१६) कवितावली की भाषा क्या है ?

१७) घनानंद किसके दरबारी कवि थे ?

१८) सुजान कौन थी ?

१९) दिल्ली छोड़कर घनानंद कहाँ गये ?

२०) कविवर घनानंद की सर्वश्रेष्ठ कृति का क्या नाम है ?

२१) घनानंद हिन्दी साहित्य में किस धारा के प्रतिनिधि कवि हैं ?

२२) निम्बार्क सम्प्रदाय में किसकी आराधना की जाती है ?

२३) घनानंद की शिक्षा किस भाषा में हुई थी ?

२४) विरह विदग्ध घनानंद के लिए प्रेमिका 'सुजान' आगे चलकर किसका पर्याय बन जाती है ?

☺☺☺☺☺